कांग्रेस नेताओं में उमड़ रहा है भाजपा के प्रति प्रेम!

दो दिन पहले रामलाल जाट ने आर.एस.एस.-भाजपा की तारीफ की थी, अब महेंद्र चौधरी ने सतीश पूनियां के कसीदे पढ़े

- **इससे पहले एक कैबिनेट मंत्री और दो विधायकों ने मुख्यमंत्री को शिफारशी पत्र लिखकर भाजपा नेता को राजनीतिक नियुक्ति दिलवाई थी**
- **अपने नेताओं का भाजपा प्रेम देखकर कांग्रेसजन असमंजस में नजर आ रहे हैं**

जयपुर, (का.प्र.)। एक ओर तो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा लगातार पार्टी की सरकार को रिपीट करने की बात कर रहे हैं, तो दूसरी ओर अशोक गहलोत के नजदीकी नेताओं में भाजपा और आरएसएस की तारीफ के कसीदे पढ़ने की होड़ लगी हुई है।

दो दिन पहले ही राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने जहां भाजपा और आरएसएस की तारीफ की थी। वही अब सरकारी उप मुख्य सचेतक महेंद्र चौधरी ने भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनियां के सड़क पर किए गए संघर्ष की तारीफ में कसीदे पढ़े हैं। इससे पहले गहलोत कैबिनेट के एक मंत्री और दो विधायकों ने भी भाजपा नेता के पक्ष में शिफारशी पत्र देकर राजनीतिक नियुक्ति करवाई थी। ऐसे में अब खुद कांग्रेसजन असमंजस में हैं कि आखिरकार कांग्रेस नेताओं का भाजपा के प्रति इतना प्रेम अचानक क्यों उमड़ रहा है।

दो दिन पहले राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने भाजपा और आर एस एस के अनुशासन की तारीफ करते हुए सचिन पायलट पर तंज कसा था और कहा था कि कांग्रेस में अनुशासन नहीं है। वही अब सरकारी उप मुख्य सचेतक महेंद्र चौधरी ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर उप नेता प्रतिपक्ष बनाए गए सतीश पूनियां के संघर्ष की तारीख करते हुए कहा है कि भाजपा ने सतीश पूनिया को प्रदेशाध्यक्ष पद से हटाकर किसान के बेटे का अपमान किया है। सतीश पूनिया को हटाकर भाजपा में प्रदेश अध्यक्ष बदलने पर सहानुभूति जताते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां ने पार्टी के लिए सड़क से लेकर विधानसभा तक संघर्ष किया है। सतीश पूनियां एक किसान के बेटे हैं, जिनको हटाकर भाजपा ने प्रदेश के किसानों का अपमान किया है। इससे भी आगे बढ़कर महेंद्र चौधरी ने कहा कि सतीश पूनियां ने कितनी यात्राएं की। ऊंट गाड़ियों में यात्रा की, कितने संघर्ष किए। संघर्ष के दौरान कितनी बार हाथ पैर में चोटें लगी। संघर्ष में कितने चश्मे टूट गए। उन पर कोई आरोप नहीं था, इसके बावजूद उन्हें प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर उपनेता प्रतिपक्ष बना दिया गया।

दरअसल कांग्रेस नेताओं को जिला प्रभारी के तौर पर राहुल गांधी की सदस्यता छीने जाने के खिलाफ मीडिया से बात करनी थी लेकिन राहुल गांधी के लिए तो महेंद्र चौधरी कम बोले और सतीश पूनिया के प्रति सहानुभूति जताते हुए उनकी तारीफ ज्यादा करते रहे।

महेंद्र चौधरी ने राहुल गांधी की संसद सदस्यता जाने के मामले में सिरोही में मीडिया से बातचीत में कहा कि भाजपा देश में लोकतंत्र की हत्या कर रही है। कांग्रेस इसके खिलाफ एकजुट होकर लड़ेगी। महेंद्र चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राहुल गांधी की लोकप्रियता से घबरा गए हैं। इस घबराहट में यह आत्मघाती फैसला लिया है।

गुरुशरण छाबड़ा को शहीद का दर्जा देने की मांग

जयपुर, (का.सं.)। जस्टिस फॉर छाबड़ा संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम अंकुर छाबड़ा ने सोमवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात की।

उन्होंने राजस्थान में ''स्वर्गीय गुरुशरण छाबड़ा जन जागरूकता अभियान'' को पुन: शुरू करने और स्वर्गीय गुरुशरण छाबड़ा को शहीद का दर्जा देने की मांग उठाई।

पूनम अंकुर छाबड़ा ने कहा कि सूरतगढ़ के पूर्व विधायक स्व. गुरुशरण छाबड़ा ने राजस्थान में संपूर्ण शराबबंदी और सशक्त लोकायुक्त के लिए अनशन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी। राज्य सरकार उनके इस महान बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने दे। इसलिए राजस्थान में नशा मुक्त समाज बनाने के लिए संपूर्ण शराबबंदी लागू हो।

पूनम छाबड़ा ने इसके अलावा सूरतगढ़ को जिला बनाने की मांग भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखी, सूरतगढ़ की जनता द्वारा किये जा रहे इस आंदोलन को वार्ता कर सुलझाने का आग्रह किया।

पूनम छाबड़ा की तमाम मांगों को सुनने के बाद गहलोत ने उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद देकर सकारात्मक आश्वासन दिया।

राज्यपाल ने प्रतिभाओं को ''राजस्थान गौरव'' सम्मान से किया अलंकृत

राज्यपाल ने सोमवार को वरिष्ठ आई.ए.एस. अधिकारी अजिताभ शर्मा को ''राजस्थान गौरव सम्मान'' से सम्मानित किया। इस मौके पर संस्कृति युवा संस्था के सुरेश मिश्रा भी मौजूद थे।

- **प्रतिभाएं राष्ट्र और समाज की धरोहर : राज्यपाल**

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि प्रतिभाएं किसी एक समाज की नहीं बल्कि संपूर्ण राष्ट्र और समाज की धरोहर होती हैं। उन्होंने कहा कि अच्छे कार्यों का सम्मान यदि होता है तो इससे पूरे समाज में एक सकारात्मक वातावरण बनता है।

राज्यपाल मिश्र सोमवार को संस्कृति युवा संस्था द्वारा एक निजी होटल में आयोजित राजस्थान गौरव सम्मान समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राजस्थान गौरव से अलंकृत विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं का अभिनंदन करते हुए सम्मानित प्रतिभाओं को भविष्य में इसी तरह समाज और राष्ट्र के लिए कार्य करते हुए अपना सर्वोत्कृष्ट देने का आव्हान किया।

मिश्र ने संस्कृति संस्था द्वारा पिछले 28 वर्षों से राजस्थान गौरव सम्मान, विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप, जयपुर मैराथन आदि आयोजनों के लिए संस्था की सराहना की। उन्होंने कहा कि जीवन पथ पर वही व्यक्ति निरंतर आगे बढ़ते हैं जो अपने लिए ही नहीं बल्कि दूसरों के हित को ध्यान में रखते हुए कार्य करते हैं। उन्होंने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की और व्यस्टि नहीं समष्टि भाव की सर्व कल्याण की सोच से सभी को कार्य करने का आव्हान किया। राज्यपाल ने नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों से जोड़ने के लिए भी अधिकाधिक कार्य करने की आवश्यकता जताई। इससे पहले राज्यपाल मिश्र ने भारतीय सेना में कारगिल युद्ध के नायक रहे रिटायर्ड कर्नल वी.एस. बालोठिया, सीनियर आईएएस अजिताभ शर्मा, भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी डॉ. राजीव पचार, भारतीय इंजिनियरिंग सेवा के आशु सिंह राठौड़, भारतीय राजस्व सेवा के नितिन कुमार जैमन, सवाई मानसिंह अस्पताल के अधीक्षक अचल शर्मा, दुबई के यंग एंटरप्रेन्योर अंकित जैन, शिव विलास रिसोर्ट के चैयरमेन स्व. बृजमोहन शर्मा, इंटरनेशनल वुडबॉल प्लेयर अजय सिंह, मांड गायिका बेगम बतूल, आईटी प्रोफेशनल सुदीप, व्यवसाय के क्षेत्र में प्रताप सिंह, रविन्द्र प्रताप सिंह, फुटबाल खिलाड़ी अजय सिंह मीणा आदि प्रतिभाओं को ''राजस्थान गौरव'' सम्मान से सम्मानित किया।

आरंभ में संस्कृति युवा संस्था के सुरेश मिश्रा ने संस्था द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों, सार्वजनिक सरोकारों से जुड़े आयोजनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर एच.सी. गणेशिया, दिनेश शर्मा, गौरव धामाणी ने भी विचार रखे। राज्यपाल मिश्र ने पूर्व में संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया।

वोटों की राजनीति के कारण एक वर्ग का तुष्टिकरण कर रही है सरकार : अरूण चतुर्वेदी

- **'बम ब्लास्ट में 71 लोगों की जान गई, राजस्थान सरकार की तरफ से हाईकोर्ट में प्रभावी पैरवी के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता की नियुक्ति क्यों नहीं की गई'**
- **'कांग्रेस पार्टी ने विधायकों की सदस्यता बचाने के लिए सीनियर वकील खड़े किए'**

जयपुर। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि जयपुर में हुए बम ब्लास्ट से जयपुर शहर दहल गया था, 71 लोगों की जान गई, 185 घायल हुए व कई जिंदगी भर के लिए अपंग हो गए, घायल हुए लोगों के लिए खून देने के लिए ब्लड बैंक के बाहर लोगों की कतार लग गई थी और जनता और पीड़ित परिवारों को भी आशा थी, गुनहगारों को फांसी की सजा मिलेगी। निचली अदालत ने तथ्यों के आधार पर व प्रभावी पैरवी से आरोपियों को सजा दी गई, लेकिन इसके विपरीत कांग्रेस सरकार ने हाईकोट में बम ब्लास्ट मामले में प्रभावी पैरवी नहीं की, इसका जिम्मेदार कौन है। यह प्रश्न जयपुर की जनता मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से पूछती है।

उन्होंने कहा कि ऐसा क्या कारण रहा, राजस्थान की सरकार छोटे-छोटे मामले में एडवोकेट जनरल व सुप्रीम कोर्ट के बड़े-बड़े वकीलों को लाखों रुपए एक-एक दिन की पैरवी करने के लिए देती है। इस मामले में 48 पेशी में केवल सरकार की ओर से जूनियर सरकारी अधिवक्ता उपस्थित हुआ, अतिरिक्त महाधिवक्ता व सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता से पैरवी नहीं करवाई, एक हाईकोर्ट में सरकार की ओर से लचर पैरवी के कारण से आंतकवादी जिन्होंने जयपुर शहर को खून से छलनी करने का काम किया था, देश और प्रदेश की जनता जानना चाहती हैं।

चतुर्वेदी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय रकबर माबलिंचिग के मामले में अलवर कोर्ट में ट्राईल के दौरान आपराधिक मामले के वरिष्ठ अधिवक्ता नासिर अली को हर तारीख पेशी पर सरकार की ओर से पक्ष रखने के लिए भेजा गया, जयपुर शहर में जब 71 लोग बम ब्लास्ट में मारे जाते हैं तब राजस्थान सरकार की तरफ से हाईकोर्ट में प्रभावी पैरवी के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता की नियुक्ति क्यों नहीं की गई। बम धमाके के समय राजस्थान में भाजपा की सरकार थी जो इस केस को स्पेशल कोर्ट में ले जाकर गुनहगारों को फांसी की सजा तक लेकर गई, लेकिन जैसे ही राजस्थान में कांग्रेस सरकार आई, तुष्टिकरण की राजनीति करते हुए परिणाम जनता के सामने हैं। विधायक इस्तीफा प्रकरण में नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने याचिका दायर की तब कांग्रेस पार्टी ने विधायकों की सदस्यता बचाने के लिए सीनियर वकील खड़े कर दिए, इस प्रकरण में जब राजेन्द्र राठौड़ ने सुनवाई की मांग की, तब वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने इसके विरोध में जमकर पैरवी की और लगातार हर सुनवाई में स्वयं मौजूद रहे। बसपा विधायकों के असंवैधानिक रूप से कांग्रेस में विलय किये जाने के मामले में जब भाजपा विधायक मदन दिलावर ने न्यायालय में चुनौती दी, तब सरकार ने लाखों रूपए खर्च कर महंगे और नामी वकील बसपा विधायकों के लिए खड़े किये। जयपुर बम ब्लास्ट मामले में सरकार ने लापरवाई की पराकाष्ठा की, सरकार की ओर से एडवोकेट जनरल या कोई भी वरिष्ठ अधिवक्ता जयपुर बम ब्लास्ट की सुनावाईयों में शामिल नहीं हुआ।

अयोध्या की तर्ज पर सजाया जायेगा रामलला दरबार

जयपुर (कासं)। गुलाबी नगरी में पहली बार हनुमान जन्मोत्सव के तहत अयोध्या की तर्ज पर रामलला का दरबार सजाया जाएगा। देशभर के विख्यात हनुमान मंदिरों की झलकियां भी देखने लायक रहेगी। सालासर बालाजी भक्त मंडल जयपुर की ओर से बुधवार को हल्दियों का रास्ता स्थित मंगलेश्वर महादेव मंदिर में शाम 7.30 बजे से कार्यक्रम आयोजित होगा। अध्यक्ष रामप्रसाद कारोड़िया ने बताया कि पर्व के तहत विभिन्न जगहों के कलाकारों की ओर से रामलला का हुबहू दरबार सजाया जाएगा। 100 किलो से अधिक फूलों से श्रृंगार के साथ ही ख्यातिनाम कलाकार भजनों के जरिए पवनपुत्र को रिझाएंगे।

'जनतंत्र बचाओ' रैली निकाली

जयपुर । संगीता गर्ग-राष्ट्रीय सचिव ऑल इंडिया महिला कांग्रेस ने बताया की जनतंत्र बचाओ लोकतंत्र बचाओ रैली प्रदर्शन का आयोजन जंतर-मंतर पर ऑल इंडिया महिला कांग्रेस कमेटी द्वारा किया गया।

आज जनतंत्र, लोकतंत्र बचाने की ज़रूरत क्यों आन पडी आप समझ सकते हैं, भारत के खुबसूरत लोकतंत्र को जिसकी सराहना विदेशों में भी होती है लेकिन पिछले सालों से उस लोकतंत्र की छवि को धूमिल करने का काम केन्द्र के सत्ता मठाधीशों के द्वारा किया जा रहा है। जनता जनार्दन के द्वारा चुनी गई सरकारों को गिराने का काम किया जाता रहा है, संवैधानिक संस्थाओं को हाथ की कठपुतली बनाकर काम किया जा रहा है। संसद में सांसद को बोलने का अधिकार नहीं है, सच बोलने का अधिकार नहीं है की माँग करने का अधिकार नहीं है।

जेपीसी इन तमाम मुद्दों के खिलाफ ऑल इंडिया महिला कांग्रेस कमेटी ने प्रदर्शन किया और माँग कि अडानी घोटाले में की माँग पूरी की जाए। सच जनता के सामने आना चाहिए। पूरी कांग्रेस पार्टी ना डरी है ना डरेगी। जनता की आवाज बनकर सच के साथ खडी रहेगी। राहुल गांधी की आप लोकसभा सदस्यता समाप्त कर दे, घर ख़ाली करा ले लेकिन ना राहुलजी इन सबसे डरे है ना हम डरेंगे।

'पुरखों की विरासत संजोए रखना हमारी ज़िम्मेदारी'

- **जयपुर शहर के विघटन को रोककर एक जिला बनाए रखने के लिए विधायक रफीक खान को सौंपा ज्ञापन**

जयपुर (कासं)। 'म्हारो जयपुर- प्यारों जयपुर' अभियान से जुडे जयपुर के प्रबुद्धजनों ने आज जयपुर की आदर्श नगर विधानसभा से विधायक रफीक खान से मुलाकात कर जयपुर शहर के दो हिस्सों में ना बाँटने का ज्ञापन दिया।

सोमवार को विधायक से मिलने की अगुवाई कर रहे कांग्रेस के नेता सुरेश मिश्रा, पूर्व महापौर ज्योति खण्डेलवाल, पार्षद विमल अग्रवाल व इतिहास विद्ध जितेंद्र सिंह शेखावत ने विस्तार पूर्वक जयपुर शहर के दो हिस्से बनने से जयपुर की सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक विरासत पर पडने वाले दुष्प्रभाव के बारे में बताया और यह भी बताया की जयपुर की जनता जयपुर शहर के जिले को किस रूप में देखे रहना चाहती है।

रफीक खान साहब ने प्रतिनिधिमंडल की बात पूरी ध्यनापूर्वक सुन और समझकर यह आश्वासन दिया की जनता की भावना के अनुसार जयपुर शहर को एक रखने की मुख्यमंत्री से पुरजोर वकालत करेंगे। जयपुर हम सब की ओर आने वाली पीढ़ी की धरोहर है जिसे संजोए रखना हम सब की बराबर जिम्मेदारी है। कोशिश करेंगे कि 250 वार्डों का पूरा एक जयपुर शहर जिला हो।

प्रतिनिधि मंडल में निम्न जयपुर की पूर्व मेयर ज्योति खंडेलवाल, सुरेश मिश्रा, अल्प संख्यक आयोग के पूर्व चेयरमैन जसबीर सिंह, वरिष्ठ पत्रकार जितेन्द्र सिंह शेखावत, पार्षद विमल अग्रवाल, जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल, जयपुर व्यापार मण्डल के अध्यक्ष ललित सिंह सांचोरा, जयपुर व्यापार महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश सैनी, सूरजभान सिंह आमेरा, जयपुर व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष भंवरसिंह शेखावत, विष्णु जायसवाल, प्रदीप सिखवाल, अशोक भगत, गिरधारी लाल कुमावत, वैशाली नगर व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष गजेंद्र सिंह पंचलंगी, चंद्रमोहन गर्ग, एड सुनील जैन, एड रविंदर पालीवाल, घनश्याम मंत्री, आनंद सिंह राठौड, महेंद्र यादव, महेश सैनी, महेंद्र लोहिया, धनंजय सिंह, देवेंद्र शर्मा, एड मिनाक्षी पारिक, एड जुगल किशोर शर्मा, दीप सिंह रावत, एड तपेश अठावाल, एड आशीष शर्मा, आनंदी लाल सेन, आनंद ज़ौहरी, पंकज शर्मा, राजेंद्र कुमावत, तरुण रावत, प्रदीप चतुर्वेदी, भगवान दास वर्मा, महेंद्र सिंह पंवार, योगेश जांगिड, किशोर जोशी लोग शामिल थे।

शादी के 7 दिन बाद जेवर-नकदी समेटकर फरार हुई लुटेरी दुल्हन

6 परिचित बिचौलियों ने भी युवती से शादी करवाने के नाम पर पीड़ित युवक से 5 लाख रुपये वसूले थे

- **युवती को अनाथ बताकर फरवरी माह में मंदिर में करवाई गई थी शादी**
- **लुटेरी दुल्हन के फरार होने के बाद पीड़ित पति ने वीकेआई थाने में नामजद मुकदमा दर्ज कराया**

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर के विश्वकर्मा इलाके में शादी के एक सप्ताह बाद ही लुटेरी दुल्हन घर से जेवरात और नकदी लेकर फरार हो गई। इस संबंध में पीड़ित युवक ने वीकेआई थाने में शादी करवाने वाले आरोपित शंकर यादव, दीपक यादव, सुनील, संदीप, विजय, रीना और लुटेरी दुल्हन पूजा शर्मा के खिलाफ नामजद मामला दर्ज करवाया है। आरोप है कि बदमाशों ने शादी से पहले भी उससे 5 लाख रुपयें ऐंठ लिए थे।

थानाधिकारी रमेश सैनी ने बताया कि रोहिणी बिहार निवासी राजपाल यादव ने मामला दर्ज करवाया है कि शंकर यादव नाम के व्यक्ति ने शादी के लिए खुद के भाई दीपक की जानकारी में अच्छी लड़की होना बताया था और शंकर ने अपने भाई दीपक यादव से मिलाया। दीपक ने 4 फरवरी 2023 को उज्जैन (मध्य प्रदेश) ले जाकर सुनील, संदीप और विजय नाम के युवकों से मिलवाया। जहां संदीप को लड़की का भाई और विजय का दोस्त के रूप में परिचय करवाया। इसके बाद शंकर और दीपक ने शादी की एवज में 75 हजार रुपये मोबाइल से ट्रांसफर करवा लिए। शंकर और दीपक यादव ने षड्यंत्र के तहत अपने परिचित सुनील को लड़की का चाचा बताकर मिलवाया। वहीं संदीप ने युवती का नाम पूजा बताया और कहा कि शादी कराने की एवज में उसकी पत्नी रीना के मोबाइल में रुपए डलवा देना। इस पर पीड़ित ने संदीप और विजय के कहे अनुसार संदीप की पत्नी रीना को 2 लाख 20 हजार रुपए नगद और मोबाइल से ट्रांसफर कर दिए। आरोपितों ने अलग-अलग बार में पीड़ित से 5 लाख रुपये लिए।

गत 11 फरवरी को उज्जैन स्थित गणेश मंदिर में पूजा से शादी करवाई,जहां पूजा को अनाथ बताया गया और शादी के संबंध में 500 रुपये के नॉन ज्यूडिशियल स्टांप पर लिखा-पढ़ी की गई। अगले दिन पीड़ित अपनी पत्नी पूजा को लेकर घर आ गया। 18 फरवरी तक पूजा उसके साथ रहीं। गत 19 फरवरी को दुल्हन पूजा पीछे से घर के जेवरात, सोने चांदी की चेन, मंगलसूत्र, पायजेब, सोने की अंगूठी, कानों की बाली समेत अन्य सोने-चांदी के जेवरात और करीब 20 हजार रुपए नकदी लेकर फरार हो गई।

पीड़ित ने काफी तलाश की, लेकिन कोई पता नहीं चल पाया। पीड़ित ने शादी करवाने वाले लोगों से भी बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन किसी से बात नहीं हो पाई। इसके बाद पीडित को उसके साथ हुई धोखाधड़ी और ठगी का पता चलने पर थाने पहुंचा और आरोपित शंकर यादव, दीपक यादव, सुनील, संदीप, विजय, रीना और लुटेरी दुल्हन पूजा शर्मा के खिलाफ नामजद मामला दर्ज करवाया है। पुलिस लुटेरी दुल्हन पूजा और अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

यूडीएच मंत्री की फटकार के बाद भी नहीं थमी गोल्फ क्लब की मनमानी!

सेंट्रल पार्क की विवादित जमीन पर बिना जेडीए की परमिशन निर्माण कार्य शुरू किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । सेंट्रल पार्क की जमीन पर सैकड़ों हरे पेड़ काटने के बाद भी गोल्फ क्लब की मनमानी थमने का नाम नहीं ले रही है। यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल की फटकार के बाद भी क्लब के लोगों ने जेडीए प्रशासन की बिना परमिशन हौद का निर्माण शुरू करवा दिया। मंगलवार को मामला सामने आने के बाद जेडीए की प्रवर्तन विंग मौके पर पहुंची और निर्माण कार्य बंद करवाया। अब जेडीए के मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी ने इस निर्माण कार्य के बारे में जोन उपायुक्त अंजू वर्मा से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है।

सूत्रों की मानें तो पिछले दिनों सेंट्रल पार्क में गोल्फ क्लब के लोगों ने जेडीए की अवाप्तशुदा जमीन पर लगे सैकड़ों पुराने पेड़ काट डाले थे। इस बारे में न तो जेडीए की उद्यानविज्ञ जवाब देना चाहते हैं और न ही जोन उपायुक्त। उद्यानविज्ञ का कहना है कि जिस जमीन पर विवाद है, वह जेडीए ने वर्ष 2018 में अवाप्त की थी। फिलहाल इस जमीन के उपयोग पर कोई निर्णय नहीं हुआ है, ऐसे में यह 1.1 हैक्टेयर भूमि जोन उपायुक्त के संरक्षण में है।

सूत्रों की मानें तो सेंट्रल पार्क की यह 11 बीघा जमीन लिलि पूल का हिस्सा थी, जो जैन नसियां के पीछे है। इस जमीन पर किसी जमाने में अस्तबल (घोडों का फार्म हाउस) था। जेडीए ने इस जमीन को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पूर्व राजपरिवार से खाली कराया था। इसके बाद से यह जमीन सेंट्रल पार्क का हिस्सा बनी। लक्ष्मीविलास होटल के पीछे होने के कारण यहां लोगां का आवागमन कम रहता है। इस जमीन के चारों तरफ चारदीवारी बनी हुई थी। पहले इसे तोड़ा गया और इसके बाद यहां लगे सघन पेड़ काटे गए। यहां पर नीम, पीपल, बड़ समेत विभिन्न प्रकार के पेड़ लगे हुए थे।

मामला सामने आने के बाद यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल और जेडीए के अफसरों ने मौका निरीक्षण भी किया, लेकिन किसी को भी गोल्फ क्लब द्वारा किया जा रहा निर्माण नहीं दिखा। बताया जा रहा है कि गोल्फ क्लब ने पुराना निर्माण तोड़कर वहां टैंक निर्माण शुरू किया था। मामला तूल पकड़ते देख मंगलवार को जेडीए की प्रतर्वन टीम ने इस निर्माण कार्य को रूकवाकर क्लब के लोगों को पाबंद किया। अब मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी ने जोन उपायुक्त अंजू वर्मा से पूरे प्रकरण और निर्माण स्वीकृति के बारे में तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है।

उधर सेंट्रल पार्क बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक योगेश यादव का कहना है कि जब गोल्फ क्लब ने यहां पेड़ काटे तो जेडीए प्रशासन ने उसे रोका क्यों नहीं। यह पूरा मामला आपसी मिलीभगत का है। सरकार के खुद के नियम हैं कि अगर किसी प्रोजेक्ट की वजह से पेड़ हटाने भी पड़ते हैं तो पेड़ों की संख्या 5 से ज्यादा होने पर जिला कलेक्टर से इजाजत लेकर उन्हें शिफ्ट करना पड़ता है। जो पेड़ पुन: रोपे जाने योग्य नहीं होते, उस स्थिति में एक पेड़ के बजाय 5 नए पेड़ लगाने का शपथ पत्र देना पड़ता है। सैकड़ों पेड़ों की बलि लेने वाले इन जेडीए के अफसरों व गोल्फ क्लब के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराएंगे।

सेंट्रल पार्क में सैकड़ों पेड़ काटने के साथ-साथ गोल्फ क्लब ने अब जेडीए की बिना अनुमति अवैध निर्माण शुरू कर दिया।

- **मामला सामने आते ही मंगलवार सुबह जेडीए की प्रवर्तन विंग ने मौके पर पहुंचकर काम बंद कराया**